वेटलैंड सिटी प्रमाणन

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEF&CC) ने वेटलैंड सिटी प्रमाणन (Wetland City Accreditation- WCA)** हेतु भारत से तीन शहरों के लिये नामांकन प्रस्तुत किये हैं।

- नामांकित शहरों में **इंदौर (मध्य प्रदेश), भोपाल (मध्य प्रदेश) और उदयपुर (राजस्थान)** शामिल हैं।

मुख्य बिंदु:

- इन शहरों में **पाँच प्रमुख आर्द्रभूमियाँ मौजूद** हैं जिनमें **पिछोला, फतेह सागर, रंग सागर, स्वरूप सागर एवं दूध तलाई** शामिल हैं।
- ये आर्द्रभूमियाँ शहर की संस्कृति व पहचान का एक अभिन्न अंग हैं जो शहर के **माइक्रोक्लाइमेट को बनाए रखने में मदद करती हैं और साथ ही मौसम की विषम घटनाओं** से सुरक्षा प्रदान करती हैं।
- MoEF&CC की अमृत धरोहर पहल **रामसर स्थलों के संरक्षण मूल्यों को बढ़ावा देती है जोकि WCA** लक्ष्यों के अनुरूप है।

WCA हेतु नामांकित अन्य शहर

- शहर में स्थित एक **रामसर स्थल, सिरपुर झील, जिसे जलीय पक्षी समागम** के लिये एक महत्त्वपूर्ण स्थल के रूप में मान्यता दी गई है तथा इसे पक्षी अभयारण्य के रूप में विकसित किया जा रहा है।
- इस शहर में स्थित भोज वेटलैंड (रामसर स्थल) शहर की जीवन रेखा के सामान है जहाँ **विश्व स्तरीय वेटलैंड व्याख्या केंद्र स्थापित** है जिसका नाम **जल तरंग** है।

वेटलैंड सिटी प्रमाणन (WCA)

- WCA एक स्वैच्छिक मान्यता प्रणाली है, जिसे **रामसर कन्वेंशन द्वारा कॉन्ट्रैक्टिंग पार्टियों (Conference of the Contracting Parties- COP) 12, 2015 के सम्मेलन** के दौरान उन शहरों को मान्यता देने के लिये स्थापित किया गया था, जिन्होंने अपने शहरी आर्द्रभूमि की सुरक्षा हेतु असाधारण कदम उठाए हैं।
    - WCA **6 वर्षों के लिये मान्य होता है।**
- इस योजना का उद्देश्य **शहरी एवं परिधीय-शहरी क्षेत्र के आर्द्रभूमि संरक्षण** और इसके उपयोग को बढ़ावा देना है, साथ ही स्थानीय आबादी के लिये स्थायी सामाजिक-आर्थिक लाभ अर्जित करना भी है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/wetland-city-accreditation-1